भारतीय शिक्षा बोर्ड

मॉडल प्रश्न पत्र - अर्धवार्षिक परीक्षा

हिंदी - कक्षा 7

सत्र : 2025-26

निर्धारित समय: 3 घंटा **अधिकतम अंक:** 80

निर्देश:

- प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न पत्र में 07 मुद्रित पृष्ठ हैं।
- प्रश्न पत्र को पढ़ने के लिए अतिरिक्त 10 मिनट का समय दिया गया है। इस दौरान छात्र केवल प्रश्न पत्र पढ़ेंगे।
- प्रश्न पत्र में कुल चौदह प्रश्न है और सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- इस प्रश्न पत्र में चार खण्ड हैं :
  - खण्ड - क : **बहुविकल्पी प्रश्न** (10 अंक)
  - खण्ड - ख : **व्याकरण** (20 अंक)
  - खण्ड - ग : **पाठ्यपुस्तक** (40 अंक)
  - खण्ड - घ : **रचनात्मक लेखन** (10 अंक)
- प्रश्न संख्या **1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 10, 13** एवं **14** के लिए **05** अंक निर्धारित किये गये है।
- प्रश्न संख्या **8** एवं **11** के लिए **06** अंक निर्धारित किये गये है।
- प्रश्न संख्या **9** एवं **12** के लिए **09** अंक निर्धारित किये गये है।

खंड–क (बहुविकल्पी प्रश्न)

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(1×5=5)**

जिसके जीवन में जितने अधिक दुःख होते हैं वह उतना ही सबल होकर सुख की यात्रा पर निकलता है, क्योंकि दुःख विपरीत स्थितियों से जूझने की क्षमता का विकास कर हमारी ऊर्जा को जगाते हैं। कभी-कभी मौसम में बड़ी विषमता दिखाई देती है। गर्मियों में वर्षा हो जाती है और शीतल वायु मौसम को सुहावना बना देती है। कई बार बरसात के मौसम में बादलों का नामोनिशान तक नहीं रहता। कभी सर्दी के मौसम में ठंड और कोहरे से निजात मिल जाती है। मौसम की यह प्रतिकूलता हमारे अहित में नहीं होती।

यही बात मनुष्य के जीवन में सुख-दुःख के संबंध में उतनी ही सटीक है। व्यक्ति तथा समाज दोनों के विकास के लिए परस्पर विरोधी भावों का होना अनिवार्य है। ग्रीष्म हो या वर्षा, पतझड़ हो या वसंत, वे एक-दूसरे के विरोधी नहीं, अपितु पूरक हैं। एक के अभाव में दूसरे में आनंद कहाँ ? सुख की अनुभूति के लिए दुःख की अनुभूति होनी आवश्यक है। इसके द्वारा हमारे अंदर की ऊर्जा जागती है। दुःख से कोई भाग नहीं सकता, उससे जूझना ही पड़ता है पहिये की तीलियों की भाँति सुख-दुःख ऊपर-नीचे होते हैं। जीवन भी चक्र ही है और चक्र टिकता नहीं, गतिशील रहता है।

(1) मनुष्य दुःखों का सामना करने से सबल कैसे बन जाता है?

(क) विपरीत परिस्थितियों से जूझने की क्षमता का विकास होता है।

(ख) दुःखों का सामना करने से हमारी ऊर्जा जाग्रत नहीं होती है।

(ग) सुख-दुःख में समान रहने की क्षमता नहीं मिलती है।

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

(2) सुख की अनुभूति के लिए क्या आवश्यक है और क्यों ?

(क) दुःख की अनुभूति होना आवश्यक नहीं है।

(ख) दुःख की अनुभूति से हमारे अंदर ऊर्जा जाग्रत कभी नहीं होती है।

(ग) दुःख की अनुभूति से परिस्थितियों से जूझने की क्षमता मिलती है।

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(3) पहिये का उल्लेख क्यों किया गया है?

(क) पहिया टिकता नहीं, वह सदैव गतिशील रहता है।

(ख) पहिये की तरह जीवन एक चक्र नहीं है।

(ग) पहिये की तीलियों की भाँति सुख-दुःख ऊपर नीचे नहीं होते हैं।

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

(4) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(5) मनुष्य के जीवन में कौन-सी बात सटीक है ?

प्रश्न 2. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए – **(1×5=5)**

कोटि-कोटि नंगों भिखमंगों के जो साथ,
खड़े हुए हैं कंधा जोड़े, उन्नत माथ,
शोषित जन के, पीड़ित जन के कर को थाम,

बढ़े जा रहे उधर जिधर हैं मुक्ति प्रकाम।
ज्ञात और अज्ञात मात्र ही जिनके नाम।
वंदनीय उन सत्पुरुषों को सतत् प्रणाम।
जिनके गीतों के पढ़ने से मिलती शांति,
जिनके तानों के सुनने से झिलती भ्रांति,
छा जाती मुखमंडल पर यौवन की कांति।
जिनकी टेकों पर टिकने से टिकती क्रांति।
मरण मधुर बन जाता है जैसे वरदान,
अधरों पर खिल जाती है, मादक मुस्कान।

(1) काव्यांश में किन की वंदना और प्रशंसा की गई है ?

(क) दीन-दु:खियों और शोषितों के हितैषी लोक सेवकों की

(ख) दीन-दु:खियों का शोषण करने वाले लोगों की

(ग) दीन दु:खियों और शोषितों की

(घ) इनमें से किसी की नहीं

(2) परोपकारी व्यक्तियों को काव्यांश में कैसा बताया गया है ?

(क) स्वार्थी और अहंकारी

(ख) आत्म सीमित और संवेदन शून्य

(ग) अपने कार्य की प्रशंसा चाहने वाला

(घ) सत्पुरुष और वंदनीय

(3) वे लोग पीड़ितों का हाथ थामे कहाँ बढ़े जा रहे हैं ?

(क) उन्हें कष्टों से मुक्ति दिला कर उनका उद्धार करने के लिए

(ख) उनको एक नई मंज़िल दिखाने के लिए

(ग) उनको पढ़ाने के लिए

(घ) इनमें से कोई नहीं

(4) परोपकारी व्यक्तियों का मरण भी किस रूप में बदल जाता है ?

(5) जन हितैषी व्यक्तियों की प्रशंसा सुनने से क्या होता है ?

खंड–ख (व्याकरण)

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न के उत्तर लिखिए - **(1×5=5)**

(1) राहुल होशियार बालक है- रेखांकित शब्द में विशेषण का भेद बताइए -

(2) आज मौसम बहुत गरम है -विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए-

(3) रोगी को काटकर सेब खिलाओ-वाक्य को शुद्ध करके लिखिए-

(4) करीम देखने सिनेमा गया है- वाक्य को शुद्ध करके लिखिए-

(5) विशेषण के कितने भेद होते हैं?

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न के उत्तर लिखिए - **(1×5=5)**

(1) पतग - शब्द में सही स्थान पर अनुस्वार लगाइए -

(2) पहुच - शब्द में सही स्थान पर अनुनासिक चिह्न लगाइए -

(3) दुर्बल - शब्द में उपसर्ग अलग करके लिखिए -

(4) सफलता - शब्द में से प्रत्यय अलग कीजिए -

(5) वर्ण का उच्चारण स्थान कहाँ पर होता है -

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रत्येक रिक्त स्थान की पूर्ति करके लिखिए - **(1×5=5)**

(1) क्रिया के _____ भेद होते हैं।

(2) _____ और _____ की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

(3) महेश किताब पढ़ता है _____ क्रिया का उदाहरण है।

(4) _____ पानी गले के लिए अच्छा माना जाता है - उचित विशेषण शब्द भरिए।

(5) हमे सत्य बोलना चाहिए नकि _____। रेखांकित शब्द का विलोम शब्द लिखिए।

प्रश्न 6. निम्नलिखित कथनों के सामने सत्य और असत्य लिखिए- **(1×5=5)**

(1) सकर्मक क्रिया में कर्म नहीं होता -

(2) लड़कियाँ – शब्द में गलत स्थान पर चन्द्र बिन्दु लगा हुआ है -

(3) मानव+ता – यह शब्द सही लिख गया है -

(4) गुणवाचक विशेषण में गुण-दोष बताए जाते हैं -

(5) क्रियाविशेषण के चार भेद होते है -

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर लिखिए -

ऋषिका अदिति दक्ष प्रजापति की सबसे बड़ी पुत्री थीं। इनका विवाह ऋषि कश्यप से हुआ था। ऋग्वेद में ऋषिका अदिति को माता के रूप में स्वीकार किया गया है। इंद्र को ऋषिका अदिति का पुत्र माना जाता है। माता अदिति ने पुत्र इंद्र को सब प्रकार से समर्थ बनाया। ऋषिका अदिति के मातृ रूप में प्रेम, आत्मीयता एवं वात्सल्य की प्रतीति स्त्रीत्व के महनीय गुण के रूप में होती है।स्त्री का प्रेम और वात्सल्य केवल अपनी संतानों तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि समस्त जीव-जगत् की कल्याण कामना से माताएँ भरी रहती हैं, इस बात को ऋषिका अदिति ने सिद्ध किया।मित्र, वरुण, धाता, अर्यमा, अंश, भग, विवस्वान्, आदित्य, इंद्र इत्यादि ऋषिका अदिति के पुत्र हैं।

(1) ऋषिका आदिति का पुत्र किसको माना जाता है ? (1)

(क) श्री राम को
(ख) भगवान इन्द्र को
(ग) ऋषि अगुसत को
(घ) भगवान विष्णु को

(2) ऋषिका अदिति को गुणों की देवी माना जाता है क्योंकि - (1)

(क) उनमें वात्सल्य है
(ख) कल्याण की भावनाएँ हैं
(ग) आत्मीयता और प्रेम की प्रतिमूर्ति हैं
(घ) उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं।

(3) ऋषिका अदिति के पिता का नाम क्या था ? (1)

(4) ऋग्वेद में ऋषिका अदिति के विषय में क्या कहा गया है ? (2)

प्रश्न 8. निम्नलिखित प्रश्न में से किन्हीं तीन प्रश्न के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए - (2×3=6)

(1) बाबा भारती सुल्तान की सेवा कैसे किया करते थे ?
(2) शरीर की इंद्रियों के नाम बताइए।
(3) आचार्य चाणक्य को इतिहास में अन्य किन-किन नामों से जाना जाता है ?
(4) लेखक का परिवार ठीक से सो क्यों नहीं पाता था ?

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्न में से किन्हीं तीन प्रश्न के उत्तर विस्तार से लिखिए - **(3×3=9)**

(1) सरकार द्वारा पक्षी संरक्षण के लिए कौन-कौन से कदम उठाये जा रहे हैं ? लिखिए -

(2) दिव्यांग जनों के प्रति हमारे क्या दायित्व होने चाहिए ? विस्तार से लिखिए।

(3) अशफाक़ उल्ला खान क्रांतिकारी थे, देश को स्वतंत्र कराने के लिए इन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी-इस आधार पर उनकी चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(4) हार की जीत कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 10. निम्नलिखित दोहों को पढ़कर पूछे गए प्रश्न के उत्तर लिखिए -

ऊँचे कुल का जनमिया ,जे करनी ऊँच न होय।
सोवन कलस सूरा भरा,साधु निंदा सोय ॥
ऐसी बानी बोलिए ,मन का आपा खोंय।
औरन को सीतल करे,आपंहु सीतल होय ॥

(1) प्रस्तुत दोहों के कवि का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए- **(1)**

(क) रहीम
(ख) सूरदास
(ग) वृंद
(घ) तुलसीदास

(2) कवि ने वाणी का क्या महत्व बताया है? **(1)**

(क) सबको दुखी कर देती है-
(ख) सबको खुशियाँ प्रदान करती हैं
(ग) सबको अपना बनाने में सहायक होती हैं-
(घ) विकल्प ख और ग सही हैं

(3) निंदा शब्द का अर्थ लिखिए - **(1)**

(4) कवि के अनुसार ऊँचा स्थान प्राप्त करने के लिए हमे क्या करना चाहिए? **(2)**

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्न में से किन्हीं तीन प्रश्न के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिए- **(2×3=6)**

(1) हम पंछी उन्मुक्त गगन के-कविता का संदेश लिखिए।

(2) एक तिनका कविता का मूल भाव क्या है ?

(3) सतगुरु का हमारे जीवन में क्या महत्व है ?

(4) हमे मन का मनका क्यों फेरना चाहिए ?

प्रश्न 12. निम्नलिखित प्रश्न में से किन्हीं तीन प्रश्न के उत्तर विस्तार से लिखिए - **(3×3=9)**

(1) स्वतंत्रता और स्वच्छंदता का एक अर्थ है या अलग-अलग ,अपने विचार उदाहरण सहित लिखिए।

(2) एक तिनका कविता से प्राप्त शिक्षा को समाज के लिए किस प्रकार उपयोगी बनाया जा सकता है, अपने विचार लिखिए।

(3) अपने देश की प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखने के लिए नागरिकों का क्या योगदान होना चाहिए ?

(4) छोटी से छोटी वस्तु का अपना महत्व होता है, उसे नजरंदाज नहीं करना चाहिए। इस कथन के माध्यम से किस तथ्य को स्पष्ट किया गया है ? स्पष्ट कीजिए।

खंड घ - (रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120-130 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए - **(5)**

(1) मेरा प्रिय त्योहार

- **संकेत बिन्दु -** कब मनाया जाता है, मनाने का ढंग, महत्व , मस्ती ही मस्ती।

(2) देश में बढ़ता भ्रष्टाचार

- **संकेत बिन्दु -** भ्रष्टाचार का अर्थ, कारण और स्वरूप, समाधान।

(3) सत्संगति के लाभ

- **संकेत बिन्दु -** सत्संगति का अर्थ, सत्संगति का महत्त्व, कुसंगति की हानियाँ, निष्कर्ष।

प्रश्न 14. अपने विद्यालय की विशेषताएँ बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। **(5)**

अथवा

आप नवरात्रि के अवसर पर अपने गाँव जाना चाहते हैं अतः अवकाश के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।